रोल नं. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

001

201 (HHA)

2025

हिन्दी

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 80**

निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र के **दो** खण्ड **'अ'** तथा **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये **सभी** प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।

(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिए। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड-अ

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

चित्त को क्षुद्र वासनाओं से विरत करने का एक बहुत बड़ा साधन कला है। काव्य, चित्र, संगीत आदि का जिस समय रस मिला करता है उस समय भी शरीर और इन्द्रियों के बन्धन ढीले पड़ गये होते हैं और चित्त आध्यात्मिक जगत में खिंच जाता है। यही बात प्रकृति के निरीक्षण से भी होती है। प्रकृति का उपयोग निकृष्ट कोटि के काव्य में कामोद्दीपन के लिए किया जाता है, परन्तु वह शान्त रस का भी उद्दीपन करता है। अध्यापक का कर्तव्य है कि छात्र में सौन्दर्य के प्रति प्रेम उत्पन्न करे। यह स्मरण रखना चाहिए कि सौन्दर्य प्रेम भी निष्काम होता है। जहाँ तक यह भाव रहता है कि मैं इसका अमुक प्रकार से प्रयोग करूँ, वहाँ तक उसके सौन्दर्य की अनुभूति नहीं होती। सौन्दर्य के प्रत्यक्ष का स्वरूप तो यह है कि द्रष्टा अपने को भूलकर तन्मय हो जाय।

कहने का तात्पर्य यह है कि छात्र के चरित्र को इस प्रकार विकास देना है कि वह 'मैं' 'तू' के ऊपर उठ सके। यह वस्तु मेरी होकर रहे- इससे संघर्ष और कलह होता है, परन्तु सेवा और सुकृत में संघर्ष नहीं हो सकता। हम, तुम, सौ आदमी सच बोलें-धर्माचरण करें, उपासना करें, लोगों के दुःख-निवारण करें, इसमें कोई झगड़ा नहीं है। परन्तु इस वस्तु को मैं लूँ या तुम यह झगड़े का विषय हो सकता है, क्योंकि एक वस्तु का उपयोग एक समय में प्रायः एक ही मनुष्य कर सकता है। गाना हो रहा हो, आकाश में तारे खिले हों, फूलों के सुवास से लदी समीर बह रही हो, इनके सुख को युगपत् हजारों व्यक्ति ले सकते हैं। काव्य पाठ से मुझको आनन्द होता है वह आपके आनन्द को कम नहीं करता। इसलिए प्राचीन आचार्यों ने धर्म की दीक्षा दी थी।

(क) चित्त को क्षुद्र वासनाओं से विरत करने के साधन क्या हैं? 2

(ख) झगड़े की जड़ काटने एवं सबको अपने उचित अधिकार स्वतः प्राप्त हो जायें, इसके लिए क्या करना चाहिए? 2

(ग) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 1

निर्देश : निम्नांकित में सही विकल्प छाँट कर लिखिए-

(घ) प्रकृति का उपयोग निकृष्ट कोटि के काव्य में किया जाता है- 1

(i) वीर रस के लिए (ii) कामोद्दीपन के लिए

(iii) भयानक रस के लिए (iv) निराशा के लिए

(ङ) फूलों के सुवास से लदी समीर का लाभ या सुख- 1

(i) केवल एक व्यक्ति को मिलता है (ii) हजारों व्यक्तियों को मिलेगा

(iii) बुद्धिमान व्यक्ति को मिलेगा (iv) सामान्य व्यक्ति को मिलेगा

2. दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर किसी **एक** विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए- 8

(क) हमारी राष्ट्रीय एकता

(i) राष्ट्रीय एकता का अभिप्राय

(ii) राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता

(iii) राष्ट्रीय एकता के मार्ग में बाधाएँ

(iv) एकता बनाए रखने के उपाय

(ख) देश में भ्रष्टाचार की समस्या

(i) भ्रष्टाचार का आशय

(ii) भ्रष्टाचार का जनजीवन पर प्रभाव

(iii) विभिन्न क्षेत्रों में व्याप्त भ्रष्टाचार

(iv) भ्रष्टाचार उन्मूलन के उपाय

3. अपने क्षेत्र के प्रमुख समाचार पत्र के सम्पादक को अपने नगर/गाँव में पेयजल की समस्या विषय पर एक शिकायती पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम च छ ज है।) 4

अथवा

आपके विद्यालय में गतवर्ष उत्तराखण्ड स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। आप रा.उ.मा. वि. देवगुरु के विद्यार्थी हैं। समारोह के कार्यक्रमों का विवरण देते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है।)

4. निम्नलिखित प्रश्नखण्डों का यथानिर्देश उत्तर दीजिए - 1×4=4

(क) जीवन में उदारता आवश्यक है। (प्रश्नवाचक वाक्य में बदलिए)

(ख) प्रत्येक व्यक्ति के मनोनुकूल आचरण करना आवश्यक है। (निषेधात्मक वाक्य बनाइए)

(ग) बुमराह बहुत तेज गेंद फेंकता है। (उक्त वाक्य में 'क्रिया विशेषण' का सही विकल्प छाँटिए)

(i) फेंकता है (ii) गेंद (iii) तेज (iv) बुमराह

(घ) कर्म वाच्य में प्रधान होता है - (निम्न में से सही विकल्प का चयन कीजिए)

(i) कर्ता (ii) क्रिया (iii) कर्म (iv) वचन

5. निम्नांकित का यथानिर्देश उत्तर दीजिए- 1×4=4

(क) राम घर जा कर सो गया। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ख) सूर्योदय हुआ और चिड़िया चहकने लगी। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ग) जिस वाक्य में कर्ता प्रमुख होता है उसे कहते हैं- (सही विकल्प का चयन कीजिए)

(i) कर्तृवाच्य (ii) कर्मवाच्य (iii) भाववाच्य

(घ) निम्नांकित वाक्य में क्रिया छाँट कर सही विकल्प बताइए-

'महर्षि बाल्मीकि ने आश्रम में रहकर रामायण की रचना की।'

(i) आश्रम (ii) बाल्मीकि

(iii) रचना की (iv) रामायण

6. (क) निम्नांकित में से कौन सा शब्द 'हरि' के अर्थ में प्रयुक्त नहीं होता- 1

(i) विष्णु (ii) शिव (iii) नारद (iv) बन्दर

(ख) 'पीयूष' का समानार्थी शब्द बताइए- 1

(i) कलानिधि (ii) सुधाकर (iii) सुधा (iv) गरल

7. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी **एक** काव्यांश के नीचे दिये गये किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2×2=4

(i) लखन कहा हसि हमरे जाना, सुनहु देव सब धनुष समाना।।
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।।

(क) लक्ष्मण ने परशुराम से क्या कहा?

(ख) धनुष टूटने में राम का दोष क्यों नहीं है?

(ग) परशुराम के क्रोध का कारण क्या है?

(ii) फसल क्या है?
और तो कुछ नहीं है वह
नदियों के पानी का जादू है वह
हाथों के स्पर्श की महिमा है
भूरी-काली-संदली मिट्टी का गुण धर्म है
रूपान्तर है सूरज की किरणों का
सिमटा हुआ संकोच है हवा का थिरकन का!

(क) कवि ने फसल को 'नदियों के पानी का जादू' कहा है। उक्त कथन को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

(ख) फसल के लिए अन्य किन रूपकों का प्रयोग किया गया है और क्यों? स्पष्ट कीजिए।

(ग) मिट्टी के गुण धर्म से क्या अभिप्राय है? वर्तमान जीवन शैली का मिट्टी के गुण धर्म पर क्या प्रभाव पड़ रहा है?

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2×2=4

(क) राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद में लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या-क्या विशेषताएँ बताई?

(ख) जयशंकर प्रसाद की 'आत्मकथ्य' कविता के आधार पर बताइए कि कवि आत्मकथा लिखने से क्यों बचना चाहता है?

(ग) 'संगतकार' कविता के माध्यम से कवि किस प्रकार के व्यक्तियों की ओर संकेत करना चाह रहा है?

9. (क) उद्धव द्वारा दिए गए योग के सन्देश ने गोपियों की विरहाग्नि में घी का काम कैसे किया? 1

(ख) 'उत्साह' कविता में बादल किन-किन अर्थों की ओर संकेत करता है? 1

10. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी **एक** गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2×2=4

(i) ऊपर की तसवीर से यह नहीं माना जाय कि बालगोबिन भगत साधु थे। नहीं, बिलकुल गृहस्थ! उनकी गृहिणी की तो मुझे याद नहीं, उनके बेटे और पतोहू को तो मैंने देखा था। थोड़ी खेतीबारी भी थी, एक अच्छा साफ़ सुथरा मकान भी था। किंतु, खेतीबारी करते, परिवार रखते भी, बालगोबिन भगत साधु थे- साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरने वाले। कबीर को 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते। किसी से भी दो-टूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते। किसी की चीज नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते।

(क) खेतीबारी से जुड़े गृहस्थ बालगोबिन भगत अपनी किन चारित्रिक विशेषताओं के कारण साधु कहलाते थे?

(ख) बालगोबिन भगत लोगों के साथ कैसा व्यवहार करते थे?

(ii) भौतिक प्रेरणा, ज्ञानेप्सा-क्या ये दो ही मानव संस्कृति के माता-पिता हैं? दूसरे के मुँह में कौर डालने के लिए जो अपने मुँह का कौर छोड़ देता है, उसको यह बात क्यों और कैसे सूझती है? रोगी बच्चे को सारी रात गोद में लिए जो माता बैठी रहती है, वह आखिर ऐसा क्यों करती है? सुनते हैं कि रूस का भाग्य विधाता लेनिन अपनी डैस्क में रखे हुए डबल रोटी के सूखे टुकड़े स्वयं न खा कर दूसरों को खिला दिया करता था। वह आख़िर ऐसा क्यों करता था? संसार के मजदूरों को सुखी देखने का स्वप्न देखते हुए कार्ल मार्क्स ने अपना सारा जीवन दुख में बिता दिया, और इन सबसे बढ़कर आज नहीं, आज से ढाई हजार वर्ष पूर्व सिद्धार्थ ने अपना घर केवल इसलिए त्याग दिया कि किसी तरह तृष्णा के वशीभूत लड़ती-कटती मानवता सुख से रह सके।

(क) दूसरों के सुख के लिए लेनिन तथा कार्ल मार्क्स ने क्या किया?

(ख) सिद्धार्थ ने अपना घर क्यों त्याग दिया?

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए- 2×2=4

(क) सेनानी न होते हुए भी चश्मे वाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे?

(ख) 'एक कहानी यह भी' में वह कौन सी घटना थी जिसके बारे में सुनने पर लेखिका को न अपनी आँखों पर विश्वास हो पाया और न अपने कानों पर?

(ग) लेखक की दृष्टि में 'सभ्यता' और 'संस्कृति' की सही समझ अब तक क्यों नहीं बन पाई है?

12. (क) 'नेताजी का चश्मा' कहानी से क्या संदेश मिलता है? 1

(ख) आपकी दृष्टि में बालगोबिन भगत की कबीर पर अगाध श्रद्धा के क्या कारण रहे होंगे? 2

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×3=6

(क) 'माता का अँचल' पाठ में वर्णित प्राचीन ग्राम्य संस्कृति का चित्रण कीजिए।

(ख) 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर सन्तान के प्रति माँ की ममता और पिता के दुलार का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

(ग) 'साना-साना हाथ जोड़ि' कहानी के आधार पर बताइए कि प्रकृति ने जल संचय की व्यवस्था किस प्रकार की है?

(घ) 'कटाओ' पर किसी भी दुकान का न होना उसके लिए वरदान है।' साना-साना हाथ जोड़ि' कहानी के आधार पर इस कथन के पक्ष में अपनी राय व्यक्त कीजिए।

खण्ड-ब

14. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा **त्रीन्** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत - 2×3=6

(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

चन्द्रगुप्तः मगधदेशस्य नृपः आसीत्। तस्य मन्त्री चाणक्यः आसीत्। तपोधनः सः राजतन्त्रस्य ज्ञाता आसीत्। स एकस्मिन् उटजे निवसति स्म। सः वैराग्य-भावनया पूर्णः आसीत्। नृपः एकवारं चाणक्याय कम्बलानि दत्तवान। तानि कम्बलानि निर्धनेभ्यः दातुं नृपः सूचितवान्। चाणक्यस्य उटजं नगराद् बहिः आसीत्। केचन चोराः कम्बलानि अपहर्तुं चिन्तितवन्तः। ते एकदा रात्रौ चाणक्यस्य उटजं प्रविष्टवन्तः। तस्मिन समये मध्यरात्रिः शैत्यकालः च आसीत्। तदा अपि चाणक्यः कटे सुप्तः आसीत्। तस्य पार्श्वे बहूनि कम्बलानि आसन्।

(क) मगधदेशस्य नृपः कः आसीत्?

(ख) चाणक्यः कस्य मन्त्री आसीत्?

(ग) चाणक्यः कुत्र निवसति स्मः?

(घ) चौराः कानि अपहर्तुं चिन्तितवन्तः?

15. अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा **द्वौ** प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत- 2×2=4
(निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए।)

नीरक्षीरविवेके हंसालस्यं त्वमेव तनुषे चेत्।

विश्वस्मिन्नधुनान्यः कुलव्रतं पालयिष्यति कः।।

(क) नीरक्षीरविवेकी कः भवति?

(ख) अन्यः किं न पालयिष्यति?

(ग) हंसः किं तनुते?

16. पठित पाठाधारितान **त्रीन** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत- 2×3=6
(पठित पाठों के आधार पर किन्हीं **तीन** प्रश्नों का पूर्ण वाक्य में उत्तर दीजिए)

(क) गजः काम् उज्जहार?

(ख) सुवर्णं जनाः कया तोलयन्ति?

(ग) हरिद्वारं नगरं कुत्र शोभते?

(घ) चौराः कां प्रतिज्ञां कृतवन्तः?

17. अधोलिखितेषु शब्देषु यथोचितं शब्दं चित्वा केवलं **चत्वारि** रिक्त स्थानानि पूरयत- ½×4=2
(निम्नलिखित शब्दों में से उचित शब्द चुनकर किन्हीं **चार** वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए)

शब्द सूचीः - मुनयः, हिमालये, क्रूरः सम्राट् अशोकः, दक्षप्रजापतिः, सत्संगति, तीर्थस्थलम्

(क) ..... शान्तिं प्राप्तु हिमालयं गच्छन्ति।

(ख) बुद्धस्य प्रभावेण ..... अहिंसक विनम्रः च अभवत्।

(ग) बहूनि पुण्यक्षेत्राणि अपि .....सन्ति किल?

(घ) पुराकाले ..... अत्र विशालं यज्ञं सम्पादितवान् आसीत्।

(ङ) हरिद्वारं भारतीयानां प्रमुखम ---------- अस्ति।

(च) सज्जनानां संगति ..... भवति।

18. अधोलिखितेभ्यः यथानिर्देशं केवलं **चत्वारि** प्रश्नान् उत्तरत- 1×4=4
(निम्नलिखित में से निर्देशानुसार किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर दीजिए)

(क) सन्धिं कुरुत (सन्धि कीजिए)-
मधु + अरिः, पो + इत्रः

(ख) सन्धि विच्छेदं कुरुत (सन्धि विच्छेद कीजिए)-
हरेऽव, पित्राज्ञा

(ग) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं कुरुत-

(समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए)

सुखप्राप्तः, नीलकण्ठः

(घ) अधोलिखितेभ्यः पदेभ्यः उपसर्गान् पृथककृत्वा लिखत-

(निम्नलिखित शब्दों में उपसर्ग अलग कर लिखिए)

अनुचरः , प्रहार

(ङ) कोष्ठके प्रदत्तेषु शब्देषु शुद्ध शब्दं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत-

(कोष्ठक में दिये शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए)

(क) सज्जनानां संङ्गति ..... भवति। (असंङ्गति/सत्संगतिः/विसंङ्गतिः)

(ख) राजा ..... सह गच्छति। (सेवकस्य/सेवकेन/सेवकाय)

19. निम्नांकित शब्दसूचीतः **चतुर्णाम्** शब्दानां वाक्यप्रयोगं कुरुत-

(निम्नांकित शब्दों में से किन्हीं **चार** का वाक्यों में प्रयोग कीजिए) ½×4=2

(क) पठामः (ख) नद्याः (ग) पश्यति

(घ) परितः (ङ) सा (च) अस्ति

अथवा

अधोलिखितेभ्यः वाक्येभ्यः **द्वयोः** संस्कृतानुवादं कुरुत- 1×2=2

(निम्नलिखित वाक्यों में से **दो** का संस्कृत में अनुवाद कीजिए)

(क) वे दोनों पुस्तक पढ़ते हैं।

(ख) राम दशरथ के पुत्र थे।

(ग) मैं फूल सूँघता हूँ।

*****